



**RE-3083**

**M. A. (Part - I) Examination**

**April / May - 2010**

**Sanskrit (Prin.) : Paper - III**

*(Itihāsa and Purāṇa)*

(१) भागवतपुराणम् (स्कन्ध - ६-८)

(२) महाभारत-विराटपर्व

Time : 3 Hours]

[Total Marks : 70/100

सूचना/Instruction :

नीचे दृशावेक निशानीवाणी विगतो उत्तरवही पर अवश्य लपवी. Fillup strictly the details of signs on your answer book.	Seat No. :
Name of the Examination :	<input type="text"/>
<input type="text" value="M. A. (Part - 1)"/>	<input type="text"/>
Name of the Subject :	<input type="text"/>
<input type="text" value="Sanskrit (Prin.) : Paper - 3"/>	<input type="text"/>
Subject Code No. : <input type="text" value="3"/> <input type="text" value="0"/> <input type="text" value="8"/> <input type="text" value="3"/>	<input type="text"/>
Section No. (1, 2,.....): <input type="text" value="Nil"/>	<input type="text"/>
	Student's Signature

१ (अ) कोर्ष पशु बे सानुवाढ सभज्ञावो : ८/१०

1 (a) Explain any two with translation : 8/10

- (१) देहदेहिविभागोऽयमविवेककृतः पुरा।  
जातिव्यक्तिविभागोऽयं यथा वस्तुनि कल्पितः॥ ६, १५, ८॥
- (२) श्रवणं कीर्तनं विष्णोः स्मरणं पादसेवनम्।  
अर्चनं वन्दनं दास्यं सख्यमात्मनिवेदनम् ॥ ७, ५, २३॥
- (३) अष्टौ प्रकृतयः प्रौक्तास्त्रय एव हि तद्गुणाः।  
विकाराः षोडशाचार्यैः पुमानेक समन्वयात्॥ ७, ७, २२॥
- (४) त्वं ब्रह्म पूर्णममृतं विगुणं विशोक-  
मानन्दमात्रमविकारमनन्ददन्त-  
विश्वस्य हेतुरुदयस्थितिसंयमाना-  
मात्मेश्वरश्च तदपेक्षयानपेक्षः॥८,१२,७॥

(ब) कोर्ष पशु बे श्लोकोनुं सानुवाढ विवरशु करो : ८/१०

(b) Explain any two with translation : 8/10

- (१) नाऽस्य यानं न पर्यङ्कं न पीठं न गजं रथम्।  
आरोहेत् सम्मतोऽस्मीति स राजवसतिं वसेत्॥ ४, १०॥
- (२) अश्वानां प्रकृतिं वेदिं विनयं चापि सर्वशः।  
दुष्टानां प्रतिपत्तिं च कृत्स्नं चैव चिकित्सितम्॥ १२, ७॥

- (३) भार्यायां रक्ष्यमाणायां प्रजा भवति रक्षिता।  
प्रजायां रक्ष्यमाणायां आत्मा भवति रक्षितः ॥ २०, २७॥
- (४) अभिमन्युर्महाबाहुः पुत्रो मम विशां पते।  
जामाता तव युक्तो वै भर्ता च दुहितुस्तव ॥ ६७, ९॥

- २ कोष्ठ पश्चिमे विशेषेण विवेचनात्मक नोंधे लभ्यते : १४/२०
- २ Write critical notes on : (any two) 14/20
- (१) अग्निपुराण - अलंकारशास्त्रना ग्रंथे तरेके  
(1) अग्निपुराण - as a text on Poetics
- (२) कूर्मपुराणनो रचनाकाण  
(2) The Date of कूर्मपुराण
- (३) पुराण शब्दनी व्युत्पत्ति अने अर्थो.  
(3) The word Purāṇa and its senses
- (४) पुराणोनुं वर्गीकरण  
(4) Classification of the Purāṇas.
- ३ प्रशिष्ट संस्कृत नाटकोना उपज्ज्वल्य ग्रंथे तरेके महाभारतने मूलवो. १४/२०
- ३ Evaluate the Mahābhārata as a source of classical Sanskrit plays. 14/20
- अथवा / OR**
- ३ रामायणकालीन समाज अने संस्कृतिनो आलेख आपो. १४/२०
- ३ Give an outline of society and culture in the Rāmāyana Age. 14/20
- ४ पद्मपुराणने पुराणलक्षणोनी संदर्भमां मूलवो. १४/२०
- ४ Evaluate पद्मपुराण in the light of the characteristics of Purāṇa. 14/20
- अथवा / OR**
- ४ श्रीमद्भागवतपुराण अेक महापुराण छे." आ विधाननी सविस्तर यर्या करो. १४/२०
- ४ श्रीमद्भागवतपुराण is a Mahāpurāṇa". Discuss the statement in detail. 14/20
- ५ (अ) नोंधे लभ्यते : ६/१०
- ५ (a) Write a note on : 6/10
- अजामिलोपाख्यान अथवा / OR मोहिनीअवतारकथा
- (ब) नोंधे लभ्यते : ६/१०
- (b) Write a note on : 6/10
- द्रौपदीनुं पात्र - The character of द्रौपदी
- अथवा / OR**
- वैवाहिकपर्व